Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 44 , 07 नवम्बर, मंगलवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्श, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

मदरसों में बच्चे पढ़ेंगे NCRT की किताब तो सुधेरगा उनका भविष्य: सैयद गैयूरुल हसन रिजवी

नई दिल्ली: उत्तर प्रदेश के मदरसों में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) का पाठ्यक्रम लागू किए जाने के सरकारी फैसले का कुछ मुस्लिम संगठनों के विरोध को खारिज करते हुए राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष सैयद गैयूरुल हसन रिजवी ने कहा है कि राष्ट्रीय स्तर पर मदरसों में एनसीईआरटी की किताबें पढ़ाई जानी चाहिए ताकि इनमें पढ़ने वाले बच्चे आज के दौर की परीक्षाओं के अनुरूप तैयार हो सकें. रिजवी ने यहां 'भाषा' के साथ बातचीत में कहा, ''एनसीईआरटी की किताबें पढ़ने से मदरसों के बच्चे काबिल बन सकेंगे और आज के समय की परीक्षाओं के लिए तैयार हो सकेंगे. इससे बच्चों का फायदा होगा.

यह भी पढ़े- मदरसों पर मेहरबान योगी सरकार, आधुनिकीकरण के लिए दी बड़ी रकमसरकार बच्चों को अच्छी शिक्षा देना चाहती है. ''यह पूछे जाने पर कि क्या देश भर के मदरसों में एनसीईआरटी की किताबें पढ़ाई जानी चाहिए तो उन्होंने कहा, ''हां. हर स्तर पर एनसीआरटी की किताबी पढ़ाई जानी चाहिए. राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा होना बेहतर रहेगा.''रिजवी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के फैसले से जुड़ी इस चिंता का कोई आधार नहीं है कि सरकार मदरसों को अपने नियंत्रण में लेना चाहती है. उन्होंने कहा,''इस मामले पर किसी तरह का विवाद खड़ा नहीं करना चाहिए. कुछ लोगों को ऐसा लगता है कि सरकार मदरसों को अपने नियंत्रण में ले लेगी और प्रबंधन बदल जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं है.

सरकार की नीयत मदरसों को अपने कब्जे में लेना नहीं है. ''गौरतलब है कि हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने फैसला किया कि एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा. इनमें एनसीईआरटी की अंग्रेजी, गणित और विज्ञान की किताबें पढ़ाई जाएंगी. नई व्यवस्था अगले शिक्षण सत्र से लागू होगी. इनमें विज्ञान और गणित की पुस्तकें उर्दू भाषा में होंगी.

यह भी पढ़े- यूपी के जिन मदरसों में नहीं गाया गया राष?ट्रगान, उनके खिलाफ होगी हऋ की कार्रवाई!एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू करने के लिए सरकार मदरसों में शिक्षकों की नियुक्ति भी करेगी. उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि मदरसों में मजहबी शिक्षा से किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं की जाएगी. उन्हें केवल मुख्य धारा से जोड़ने के लिए एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा. ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस-ए-मुशावरत सहित कुछ मुस्लिम संगठनों ने उत्तर प्रदेश सरकार के इस फैसले का विरोध किया है.

उनका कहना है कि सरकार मदरसों का सहारा लेकर 'अपनी जिम्मेदारी से नहीं भागे. ' ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस-ए-मुशावरत के अध्यक्ष नावेद हामिद ने कहा, ''क्या सरकार मदरसों में दूसरे स्कूलों की तरह संसाधन मुहैया कराने के लिए तैयार है? ऐसा नहीं है. वह सिर्फ अपनी जिम्मेदारी से भागना चाहती है.

शिक्षा के अधिकार कानून पर अमल करते हुए उसे मुस्लिम बहुल इलाकों में प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल खोलने चाहिए ताकि वहां लोग शिक्षा हासिल कर सकें. '' हामिद ने कहा, ''आज के समय में मदरसों में लोग धार्मिक शिक्षा हासिल करने के मकसद से ही जाते हैं. बहुत कम बच्चे मदरसों में पढ़ते हैं. 90 फीसदी से अधिक मुस्लिम बच्चे मदरसों से बाहर दूसरे संस्थानों में शिक्षा हासिल कर रहे हैं, उनके बारे में सरकार कुछ नहीं कर रही है. मुझे लगता है कि यह सब ध्यान भटकाने की कोशिश है.

रेलवे कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर, जनवरी से लगाएंगे बायोमेट्रिक अटेंडेंस

नई दिल्ली : रेल मंत्रालय ने अपने सभी क्षेत्रों और प्रभागों में 31 जनवरी तक आधार आधारित बायोमैट्रिक अटेंडेंस सिस्टम शुरू करने की योजना बनाई है. रेलवे अधिकारी ने बताया, फ्ररेलवे बोर्ड ने देर से आने वाले और काम पर नहीं आने वाले अधिकारियों की जांच करने की योजना बनाई है.

उन्होंने बताया, उनकी योजना 31 जनवरी, 2018 तक सभी रेलवे क्षेत्रों और प्रभागों में आधार आधारित बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम शुरू करने की ह.

अधिकारी ने बताया कि इस प्रणाली को शुरू करने संबंध में बीते सप्ताह सभी क्षेत्रों के अधिकारियों को पत्र मिला है. इस आदेश के अनुरूप यह बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम 30 नवंबर तक सभी प्रभागों, क्षेत्रों, आरडीएसओ, मेट्रो रेल कोलकाता, रेलवे वर्कशॉप, कारखानों और उत्पादन इकाइयों में पहले लागू किया जाएगा.दूसरे चरण में सार्वजनिक उपक्रम सहित रेलवे के सभी कार्यालयों में इस प्रणाली को लागू करने की जरूरत है. इस चरण के तहत 31, जनवरी 2018 तक अधीनस्थ कार्यालयों में इस प्रणाली को लागू किया जाएगा. मौजूदा समय में यह प्रणाली सिर्फ रेलवे बोर्ड और कुछ क्षेत्रीय मुख्यालयों में ही उपलब्ध है.

देवास में 12 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या, गुस्साए ग्रामीणों ने किया हंगामा

देवास: अभी भोपाल में छात्रा के साथ हुए सामुहिक दुष्कर्म के मामले में की जांच पूरी भी नहीं हुई कि देवास में एक बच्ची का अर्धनग्न शव मिला है. पुलिस ने रेप के बाद बच्ची की हत्या होने की आशंका व्यक्त की है. बच्ची के मुंह में कपड़ा ठूसा हुआ था. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, देवास के कांटाफोड़ थाना इलाके के एक खेत में 10-12 साल की बच्ची की लाश मिली है. बच्ची के पैर बंधे हुए थे और मुंह में कपड़ा ठूसा हुआ था. पुलिस ने बताया कि बच्ची शनिवार की शाम के करीब चार बजे खेत पर अपने पिता को चाय देने गई थी, लेकिन वह पिता के पास नहीं पहुंची. शाम को पिता के घर आने पर बच्ची के गुम होने का पता चला तो घरवालों ने खोजबीन शुरू कर दी. रविवार की सुबह गांव के ही एक खेत में बच्ची की अर्धनग्न लाश मिली. इसकी सूचना फौरन पुलिस को दी गई. पुलिस के पहुंचने पर ग्रामीणों ने इलाके में बढ़ते अपराध पर गुस्सा जाहिर करते हुए सड़क जाम कर दी. पुलिस के काफी समझाने के बाद ग्रामीणों का गुस्सा शांत हुआ. पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पुलिस ने कहा कि पूरे मामले के बारे में सटीक जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही दी जा सकेगी.

सार-समाचार

सेना ने फिर उरी में पाक BAT के हमले को किया नाकाम, 2 आतंकी ढेर

श्रीनगर: कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास सुरक्षा बलों ने आज पाकिस्तानी बॉर्डर एक्शन टीम (बीएटी) द्वारा किए गए हमले को नाकाम कर दिया, जिसमें दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एस.पी. वैद ने बताया कि संभावित त्रासदी को टाल दिया गया। डीजीपी ने ट्विटर पर लिखा, ''बीएटी के इस हमले को सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने नाकाम कर दिया है।

दुलांजा उरी में दो आतंकवादी मारे गए। हमारी तरफ कोई हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने इसकी विस्तृत जानकारी नहीं दी। सेना ने इससे पहले बताया था कि उत्तरी कश्मीर में बारामूला जिले के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास सेना ने आज घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी, जिसमें दो आतंकवादी मारे गए।

सड़क हादसे में हुई प्रसिद्ध डॉ. शांति राय के पोते की मौत

पटना: सूबे की प्रसिद्ध चिकित्?सक डॉ शांति राय के पोते की कर्नाटक में रविवार की सुबह सड़क हादसे में मौत हो गई है। इस हादसे के बाद से डॉ. शांति राय के घर पर मातम का माहौल छाया हुआ है।

जानकारी के अनुसार जयंत बेलगाम के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस का छात्र था। अपने 3 दोस्तों के साथ बेलगाम जाते समय रास्ते में जयंत इस घटना का शिकार हुआ। जयंत सहित एक अन्य साथी की मौके पर ही मौत हो गई। तीसरे साथी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

प. बंगाल में सांप्रदायिकता को हवा दे रही भाजपा: कांग्रेस

नई दिल्ली: पश्चिम बंगाल कांग्रेस के प्रमुख अधीरंजन चौधरी ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए राज्य में सांप्रदायिकता को हवा दे रही है तथा इसके जरिये वह राज्य में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के प्रयासों में जुटी है। चौधरी ने बताया कि आजादी के 60 वर्षों तक पश्चिम बंगाल में कभी सांप्रदायिकता और जाति-पात राजनीतिक मुद्दे नहीं हुआ करते थे। किन्तु कुछ वर्षों से जानबूझकर राज्य के सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य में जिस तरह से सांप्रदायिक घटनाएं हो रहीं है, विशेषक धार्मिक त्योहारों के अवसर पर उतना पहले देखने को नहीं मिलता था। उन्होंने कहा कि इसके लिए कुछ हद तक राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार भी जिम्मेदार है क्योंकि वह कानून व्यवस्था की स्थिति पर पूरा ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के प्रयासों में लगी हुई है। तृणमूल कांग्रेस के नेता मुकुल राय के भाजपा शामिल होने के बारे में उनकी प्रतिक्रिया पूछे जाने पर चौधरी ने कहा कि इससे राज्य में भाजपा को थोड़ा फायदा अवश्य मिल सकता है कि वह तृणमूल के एक बड़े नेता हैं। उन्होंने कहा कि राय तृणमूल कांग्रेस के प्रबंधन कार्यों में माहिर हैं। उनकी संगठन पर अच्छी पकड़ है।

58 दिन बाद खुला सिरसा डेरा, राम रहीम की मां ने गरीबों को बांटा राशन व बेटे ने किया रक्तदान

सिरसा: राम रहीम के जेल जाने के बाद से डेरे में सन्नाटा छाया हुआ था लेकिन 58 दिन बाद खुले सिरसा डेरे में पहली बार रौनक देखने को मिली। डेरे में जहां सत्संग किया गया वहीं राम रहीम की मां ने गरीबों में राशन बांटा और बेटे जसमीत ने रक्तदान किया। डेरा सच्चा सौदा के संस्थापक शाह मस्ताना महाराज के अवतार दिवस के उपलक्ष्य में सिरसा स्थित सत्संग पंडाल में नामचर्चा का आयोजन किया गया। 25 अगस्त के बाद पहली बार डेरे में नामचर्चा हुई है। डेरा प्रेमियों के लिए पहली बार खुला डेरे के ताले

डेरा सच्चा सौदा के मुख्यालय पर ताला लटका हुआ था लेकिन डेरा संस्थापक शाह मस्ताना के जन्मदिवस पर डेरे का गेट पहले की तरह खोला गया। डेरे के अंदर जाने के लिए औरतें, बच्चे, बूढ़े, जवान सहित सैंकड़ों डेरा प्रेमियों की लाइन लगी थी और उनमें काफी उत्साहित भी देखने को मिला। पहले ही दिन करीब 3000 समर्थक यहां पहुंचे। इससे पहले समर्थक डेरा के पुराने आश्रम में जा रहे थे।

गरीबों को बांटा राशन

नामचर्चा में गुरमीत राम रहीम की मां नसीब कौर इन्सां सहित शाही परिवार के समस्त सदस्यों व डेरा सच्चा सौदा प्रबंधन समिति के अलावा आस-पास से साध-संगत नामचर्चा में पहुंची। इस अवसर पर कविराजों ने भजन गाकर शाह मस्ताना महाराज का यशोगान किया। नामचर्चा के दौरान रिकॉर्डिड वीडियो भी चलाए गए जिसमें मस्ताना महाराज के जीवन और उनके मानवता पर किए परोपकारों पर प्रकाश डाला गया। नामचर्चा के अंत में जरूरतमंद परिवारों को राशन वितरित किया गया। राम रहीम के बेटे ने किया रक्तदान मस्ताना जी के जन्म दिवस पर रक्तदान का आयोजन किया गया। शाह सतनाम जी स्पैशलिटी अस्पताल में स्थित बापू मग्घर सिंह इंटरनैशनल ब्लड बैंक में गुरमीत सिंह के पुत्र जसमीत सिंह व दामाद डा. शान-ए-मीत सहित अनेक अनुयायियों ने रक्तदान कर अवतार दिवस मनाया।

मनोज तिवारी का आरोप- केजरीवाल सरकार कांग्रेस की ब्कटीम

नेशनल डेस्क: दिल्ली सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम के पैरवीकार बनने के फैसले के बाद से ही राजनीति गरमा गई है। जहां इस फैसले पर नाराजगी जाहिर करते हुए अजय माकन और संदीप दीक्षित ने अरविंद केजरीवाल पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया था वहीं भाजपा ने आप को कांग्रेस की 'बी' टीम बताया। दिल्ली भाजपा के प्रमुख मनोज तिवारी ने केजरीवाल पर हमला करते हुए कहा कि 'आप' का कांग्रेस के साथ क्या संबंध है यह सबके सामने आ गया। यह शुरू से ही कांग्रेस की 'बी' टीम है। कांग्रेस जल्द हो सकती है आप में शामिल तिवारी ने कहा कि कांग्रेस इनके साथ मिलकर दिल्ली में सरकार भी बना चुकी है। वहीं, कई राज्यों में कांग्रेस उम्मीदवारों को लाभ पहुंचाने के लिए आम आदमी पार्टी चुनाव लड़ती रही है। उन्होंने कहा कि शुरू से ही माना जाता था कि केजरीवाल दल असल में कांग्रेस की 'बी' टीम है। अब चिदंबरम के केजरीवाल सरकार का वकील बनने के समाचार ने इसकी पुष्टि कर दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी बी टीम के असंवैधानिक कार्य में उसका साथ दे रही है। आने वाले दिनों में यह भी संभव है कि दिल्ली में अजय माकन के नेतृत्व में कांग्रेस 'आप' में शामिल हो जाये। तिवारी की यह टिप्पणी चिंदबरम द्वारा उस न्यायिक टीम में शामिल होने के बाद आई है जो दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर बहस करेगी जिसमें कहा गया है कि उपराज्यपाल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) का प्रशासनिक प्रमुख होता है।

हिमाचल चुनाव : ठियोग में कांग्रेस के गढ़ में सेंध लगा पाएगी भाजपा?

नई दिल्ली: हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव 2017 में जीत दर्ज करने और राजनीति में अपना दबदबा कायम रखने के लिए पार्टियों ने एड़ी चोटी का जोर लगा रखा है. जहां कुछ सीटों पर उम्मीदवार अपनी साख बचाने और कुछ दोबारा वापसी को लेकर जनता के बीच पहुंचे हैं, तो वहीं कुछ दिग्गज नेताओं ने क्षेत्र में अपनी जड़ें कमजोर होती देख खुद ही पीछे हटने का फैसला किया है. हिमाचल चुनाव में एक सीट ऐसी है जहां इस बार एक राजनीतिक शख्सियत और कद्दावर नेता की राजनीति का अंत हो गया है. यह कद्दावर नेता कांग्रेस की विद्या स्टोक्स हैं.

हिमाचल प्रदेश विधानसभा सीट संख्या-61 यानी ठियोग विधानसभा, जिला शिमला और लोकसभा क्षेत्र शिमला का यह विधानसभा क्षेत्र अनारक्षित है. वर्तमान में इस क्षेत्र की कुल आबादी 95,000 के करीब है, जिसमें से कुल मतदाताओं की संख्या 76,991 है. ठियोग में मुख्य रूप से हिंदी और पहाड़ी भाषा बोली जाती है. यहां लोगों का मुख्य व्यवसाय खेती है. ठियोग को एशिया में सब्जियों का सबसे बड़ा उत्पादक माना जाता है. ठियोग का पहाड़ी लोक संगीत में सबसे बड़ा योगदान रहा है. लाइक राम रफीक यहां के प्रसिद्ध गीत लेखक रहे हैं.

हिमाचल चुनाव ~ अब कोई भी पंजा गरीब का हक नहीं छीन सकता- पीएम मोदीठियोग में हुए 1952 से अब तक के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 10 दफा जीत हासिल की है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक बार, जनता पार्टी ने एक बार और दो बार निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव में बाजी मारी है. ठियोग में कांग्रेस की कद्दावर नेता रहीं विद्या स्टोक्स को क्षेत्रीय राजनीति में अपनी पकड़ के लिए जाना जाता है.

कस्तूरबा ने गांधी को बनाया असाधारण और महान व्यक्ति

नई दिल्ली: महात्मा गांधी की पोती तारा गांधी भट्टाचार्य ने मोहनदास करमचंद गांधी के राष्ट्रपिता बनने तक के सफर में अपनी दादी कस्तूरबा गांधी के योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह भले ही सामान्य व्यक्तित्व की महिला रही हों लेकिन महात्मा गांधी को ''महान व्यक्ति'' बनाने में उनका बड़ा हाथ था। कस्तूरबा ने आजादी के संघर्ष में हमेशा गांधी का साथ दिया। उन्हें प्यार से 'बा' भी कहा जाता है। भावुक होते हुए तारा गांधी भट्टाचार्य ने कहा, ''अगर कस्तूरबा नहीं होतीं तो गांधी कभी भी गांधी नहीं बन पाते। वह कोई असाधारण कस्तूरबा नहीं थीं बल्कि एक साधारण कस्तूरबा थीं जिन्होंने उन्हें महान बनाया। उनकी छोटी उम्र में ही शादी हो गई थी और वे साथ में बड़े हुए।''

भट्टाचार्य एक पखवाड़े तक चलने वाली प्रदर्शनी के शुभारंभ के मौके पर शुक्रवार को यहां बीकानेर हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रही थीं। इसमें प्रमोद कपूर की किताब 'गांधी- एन इलस्ट्रेटेड बायोग्राफी' से ली गई दुर्लभ तस्वीरों की प्रदर्शनी लगाई गई है। गांधी ने अपनी जिंदगी और आजादी के संघर्ष में कस्तूरबा की भूमिका को खुद स्वीकार किया था। उन्होंने दिसंबर 1938 में अपनी पत्रिका 'हरिजन' में एक लेख में लिखा था, ''मैंने जब अपनी पत्नी को अपनी इच्छा के आगे झुकाने की कोशिश की तो उनसे अहिंसा का पाठ सीखा।'' अपने दादा-दादी के साथ बिताए बचपन को याद करते हुए 83 वर्षीय भट्टाचार्य का गला रुंध गया।

गांधी के दिवंगत बेटे देवदास गांधी की बेटी ने अपने दादा को ''पारिवारिक व्यक्ति'' और कपड़ों को लेकर ट्रेंड तय करने वाला व्यक्ति बताया। उन्होंने कहा, ''वह एक पारिवारिक व्यक्ति थे और परिवार के सदस्यों को पत्र लिखते थे तथा उनके जवाब देते थे। एक पत्र के जवाब में उन्होंने लिखा था, प्रिय तारा, यह बहुत खराब तरीके से लिखा गया पत्र है और तुम्हें अपनी लिखावट भी सुधारनी चाहिए।'' भट्टाचार्य ने कहा, ''मैं दुखी हो गई थी और मैंने उसे कहीं फेंक दिया ताकि कोई भी उसे पढ़ न सकें।'' उन्होंने गांधी के वस्त्रों की सादगी के बारे में कहा, ''उन्हें रंगों का शौक था। मैंने उनके कपड़ों में कई रंग देखे।''

पप्पू यादव का बयान, राजनेताओं पर व्यक्तिगत हमले तत्काल बंद हो

पटना: बिहार में सत्तारूढ़ जदयू और मुख्य विपक्षी पार्टी राजद के बीच जारी व्यक्तिगत हमलों के बीच जन अधिकार पार्टी के संरक्षक एवं सांसद राजेश रंजन ने कहा कि नेताओं पर व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप बंद होना चाहिए।

यादव ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राजनेताओं पर व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप एवं उनका चरित्र हनन तत्काल बंद होना चाहिए। इससे बिहार का अपमान हो रहा है। इसे लेकर राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी को भी अपने नेताओं और प्रवक्ताओं के बयानों पर अंकुश रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत हमलों की बजाए बहस विकास पर होनी चाहिए।

जाप नेता ने कहा कि उनकी पार्टी आगामी 13 नवंबर को पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में युवा क्रांति संवाद का आयोजन करेगी। इसके साथ ही पार्टी 'रोजगार नहीं तो सरकार नहीं' के नारे के साथ जन आंदोलन की शुरुआत करेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2005 में सत्ता संभालने के दौरान वादा किया था कि बिहार से पलायन रोकेंगे, लेकिन रोजगार की तलाश में पलायन करने वालों की संख्या हर वर्ष बढ़ती जा रही है।

यूपी एटीएस के हत्थे चढ़ा भारत में ISIS का संदिग्ध अबू जाहिद, मुंबई से किया गिरफ्तार

नई दिल्ली : यूपी एटीएस ने आतंकी अबू जैद जाहिद को गिरफ्तार किया है. ये गिरफ्तारी मुंबई से हुई है. अबू जाहिद आईएसआईएस का संदिग्ध बताया जा रहा है. अबू जाहिद यूपी के आजमगढ़ का रहने वाला है. अबू जाहिद सोशल मीडिया के जरिए आईएसआईएस में आतंकियों की भर्ती का काम करता था. यूपी के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर आनंद कुमार ने प्रेस को बताया कि अबू जाहिद की गिरफ्तारी मुंबई एयरपोर्ट से हुई है. हम इसे ट्रांजिट रिमांड पर लखनऊ लाए हैं. पुलिस ने बताया कि अबू जाहिद अपने संगठन के लिए विचारक के रूप में काम कर रहा था. बताया जा रहा है कि अबू जाहिद दुबई में बैठकर आईएसआईएस का भारत में नेटवर्क चला रहा था. बताया जा रहा है कि अबू जैद जाहिद बिजनौर और वेस्टर्न क्से पकड़े गए आईएसआईएस के अन्य संदिग्धों के था सीधे संपर्क में था. यूपी के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) आनन्द कुमार ने लखनऊ में प्रेस को बताया कि अबू जैद नामक संदिग्ध आईएसआईएस आतंकवादी आजमगढ़ जिले के गम्भीरपुर थाना क्षेत्र स्थित झाउ मुहल्ले के रहने वाला है.

सेना में पहली बार शामिल होंगे देसी नस्ल के कुत्ते, दी जा रही है ट्रेनिंग

नई दिल्ली: भारतीय सेना में अब तक जर्मन शेफर्ड, लैब्रेडर्स और ग्रेट स्विस माउंटेन डॉग्स जैसे विदेशी नस्लों को शामिल किया जाता रहा है लेकिन पहली बार आर्मी में देसी नस्ल के कुत्तों को शामिल करने के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है। मेरठ में सेना की रीमाउंट ऐंड वेटरनेरी कोर सेंटर ने देसी नस्ल के 6 मुधोल शिकारी कुत्तों की ट्रेनिंग तकरीबन पूरी हो चुकी है और इन्हें इसी साल के आखिर में सेना में शामिल कर लिया जाएगा। माना जा रहा है कि इन शिकारी कुत्तों की पहली तैनाती जम्मू-कश्मीर में की जा सकती है। पिछले साल इन डॉग्स को कर्नाटक के आरवीसी केंद्र भेजा गया था और तब वहां इनकी पहले गहन जांच हुई।

सेंटर में तैनात एक अफसर ने बताया, 'यह एक बिल्कुल नई पहल थी क्योंकि हमारे पास शिकारी कुत्तों को प्रशिक्षित करने का कोई अनुभव नहीं था, न ही इस पर कोई रिसर्च मौजूद था।' हालांकि ट्रनिंग से पहले इन डॉग्स को अकेले रखा ताकि इसका पता लगाया जा सके कि इनको कोई बीमारी आदि तो नहीं है। इसके बाद उन्हें आदेशपालन की बेसिक ट्रेनिंग दी गई और उसके बाद उन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया गया। अधिकारी के मुताबिक ट्रेनिंग का पहला हिस्सा ट्रेनर और डॉग के बीच आपसी समझ और रिश्ता विकसित करना था ताकि यह कुत्ते अपने ट्रेनर के हावभाव और व्यवहार को समझें। साथ ही ट्रेनर के लिए जरूरी था कि वे अपने डॉग की क्षमताओं को पहचानें। भविष्य में इस तरह के भारतीय नस्ल के और कुत्तों को सेना में शामिल किया जाएगा के सवाल पर ऑफिसर ने कहा कि यह जल्दबाजी फैसले वाला मसला नहीं है। मुधोल हाउंड की पहचान मजबूत वंशावलीवाले भारतीय नस्ल की है। अपनी गति और फुर्ती के साथ-साथ अपने आकार की वजह से ये अच्छे साबित हो सकते हैं। ट्रेनिंग के लिए डॉग्स के चयन में मिज़ाज और क्षमता पर विचार किया जाता है। इसलिए यह कहना जल्दबाजी होगा कि भारतीय नस्ल के और कुत्तों को भविष्य में सेना में शामिल किया जाएगा या नहीं।'

जिस देश में मान नहीं, जीविका नहीं, बंधु नहीं और विद्या का लाभ भी नहीं है, वहां नहीं रहना चाहिए
- आचार्य चाणक्य

''पदमावती''

मझोले व्यापारी वर्ग के आक्रोश और खासकर, नाक का मुद्दा बनते जा रहे गुजरात चुनाव की वजह से सरकार वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को लेकर कोई भी जोखिम लेने को तैयार नहीं है। जीएसटी परिषद की कोशिश 28 प्रतिशत वाले सर्वोच्च टैक्स स्लैब में से रोजमर्रा में काम आने वाली कुछ वस्तुओं तथा मुख्य रूप से छोटे एवं मझोले उद्यमों (एसएमई) द्वारा बनाये जाने वाले उत्पादों को निम्नतर टैक्स स्लैब में लाने की है। 9-10 नवम्बर को असम के गुवाहाटी में आयोजित होने वाली जीएसटी परिषद की बैठक वित्त मंत्री अरुण जेटली की अध्यक्षता में होगी। वहां इसके पूरे आसार हैं कि न केवल एसएमई द्वारा टैक्स फाइल करने की योजना (कंपोजिशन स्कीम) और सरल व उदार बनाई जाएगी बल्कि एसएमई वर्ग के उत्पादों के मामले में उन्हें और अधिक राहत भी दी जाएगी। टैक्स निर्धारण समिति, जिसमें केंद्र तथा राज्य सरकारों के अधिकारी शामिल हैं, इन दिनों अनथक रूप से ऐसी वस्तुओं और उत्पादों की पहचान करने के काम में जुटी है, जिन पर टैक्स स्लैब को और भी कम किया जा सकता है। सरकार ने अक्टूबर के प्रारंभ में आयोजित जीएसटी परिषद की पिछली बैठक में भी मुख्य रूप से देश के छोटे व्यापारियों एवं निर्यातकों की शिकायतों एवं उन्हें हो रहीं परेशानियों को दूर करते हुए कई अहम कदम उठाए थे और 27 वर्ग की वस्तुओं पर जीएसटी की दर कम कर दी गई थी। व्यापारियों को करों की फाइलिंग और भुगतान से जुड़ी राहत दी गई थी और उनसे संबंधित कंपोजीशन स्कीम की अधिकतम सीमा 75 लाख रुपये से बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये कर दी गई थी। वहीं, 1 करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाले छोटे व्यापारियों को मासिक की जगह त्रैमासिक कर भुगतान तथा रिटर्न फाइल करने की सुविधा दी गई थी। लेकिन वे कदम पर्याप्त नहीं थे। छोटे व्यापारी लगातार शिकायत करते ही रहे हैं कि जीएसटी ने उन पर न केवल करों का बोझ बढ़ा दिया है बल्कि टैक्स फाइल करने की प्रशासनिक प्रक्रिया को भी और दुरूह बना दिया है। यही वजह है कि सरकार इस कर व्यवस्था में और संशोधन करने को मजबूर दिख रही है। प्रधानमंत्री ने पिछले दिनों जीएसटी व्यवस्था को सरल बनाने के लिए कई सकारात्मक घोषणाएं की थीं। अब देखना यह है कि जीएसटी परिषद की आगामी बैठक में एसएमई क्षेत्र के लिए सरकार के पिटारे से क्या निकलता है?

दागियों की भरमार

वरेच्च न्यायालय ने डीम्ड विविद्यालयों द्वारा दूरस्थ शिक्षा के तकनीकी या विज्ञान के पाठ्यक्रमों पर जो रोक लगाई है, उसे देर से आया दुरु स्त फैसला कहना उचित होगा। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से तकनीकी और विज्ञान की पढ़ाई करने वाले छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान या तो होता ही नहीं है अथवा कम होता है। चूंकि सर्वोच्च न्यायालय ने साफकर दिया है कि सभी तकनीकी पाठ्यक्रम फैसले के दायरे में आएंगे; इसलिए मेडिकल, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर विज्ञान और फार्मेसी समेत कई अन्य पाठ्यक्रम, जो तकनीकी पाठ्यक्रम की श्रेणी में आते हैं, की पढ़ाई अब पत्राचार के माध्यम से नहीं कराई जाएगी। जिन छात्रों को इन विविद्यालयों ने डिग्रियां प्रदान कर दी हैं, उनकी 2001 से 2005 के बीच की ऐसी सारी डिग्रियों को रद्द कर दिया गया है। कुछ लोग कह सकते हैं कि उनमें सारे छात्र अयोग्य ही होंगे, ऐसा नहीं कहा जा सकता है। कारण, कई ऐसे विविद्यालय कुछ प्रायोगिक कक्षाएं कहीं-कहीं लगवाते भी थे। शायद इसी का ध्यान रखते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने उनके लिए प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करने की अनुमति दी है। प्रत्येक छात्र को पास करने के दो अवसर मिलेंगे। यही उचित तरीका है। जो छात्र इसमें पास होते हैं, उनकी डिग्री मान्य, जो नहीं होते हैं, उनकी खत्म। हां, जो छात्र परीक्षा नहीं देना चाहते उनकी फीस की राशि संबंधित विविद्यालय को वापस करनी होगी। वास्तव में निजी विविद्यालयों को सरकार द्वारा बढ़ावा देने की नीति के कारण यह देखा गया है कि पिछले कुछ वर्षो में ऐसे विविद्यालयों की बाढ़ सी आ गई थी। यह दिखाई दे रहा था कि इनने शिक्षा और डिग्री को मजाक बना दिया है पर इनकी दूकानें चलतीं रहीं। यूजीसी और एआईसीटीई के होते हुए कैसे ऐसा हुआ है, यह समझ के परे है। आखिर यूजीसी ने एआईसीटीई के नियमों की अनदेखी करते हुए इन डीम्ड विविद्यालयों को ऐसी डिग्रियां देने के लिए मान्य कैसे कर दिया? इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने इसकी जांच सीबीआई से कराने का निर्देश दिया है। ऐसी संस्थाओं का समुचित तरीके से नियमन करना भी जरूरी है। इसीलिए न्यायालय ने केन्द्र से तीन सदस्यीय समिति का गठन कर उच्च तकनीकी शिक्षा के लिए नियमन बनाने को कहा है।

प्रवक्ता हुआ चुनियंग का बयान

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हुआ चुनियंग का बयान है कि हमने प्रस्ताव को तकनीकी तौर पर रोक रखा था ताकि इस मसले पर समिति के सदस्यों को सोचने का और वक्त मिल सके, लेकिन अभी भी इस मुद्दे पर सहमति नहीं बन पाई है। जाहिर है, यह तर्क केवल अपने पक्ष को सही ठहराने के लिए दिया गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा गया है कि एक आतंकवादी के लिए एक अकेला देश अंतरराष्ट्रीय सहमति बनने से रोक रहा है, ये जानकर हमें फिर निराशा हुई। हमारा मानना है कि दोहरे मापदंड आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय लड़ाई को कमजोर करेंगे।भारत के कथन से दुनिया के वे सारे देश सहमत होंगे।

सतीश पेडणोकर

अब यह मान लेना चाहिए कि हम आतंकवादी मसूद अजहर को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित नहीं करवा पाएंगे? चीन के रवैये से तो ऐसा ही लगता है। फिर उसने सुरक्षा परिषद में अपने वीटो का प्रयोग करके मसूद अजहर को नियंतग्र आतंकवादी घोषित करने के प्रयास को रोका है। पहले वह भारत के प्रस्ताव को रोकता था। उसके बाद भारत ने रणनीति बदली और दूसरे देशों को ऐसा प्रस्ताव लाने को तैयार किया तो उसने इसे भी अड़ंगा लगा दिया। ध्यान रखिए इस बार अमेरिका, फ्रांस तथा ब्रिटेन जैसे सुरक्षा परिषद के तीन स्थायी सदस्यों ने यह प्रस्ताव रखा था। अब इससे वजनदार प्रयास क्या हो सकता है। तीन महीने पहले भी चीन ने इन तीन देशों के प्रस्ताव को रोक दिया था। उसकी समय सीमा 2 नवम्बर को खत्म हो रही थी तो फिर उसने वीटो अधिकार का इस्तेमाल कर दिया।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हुआ चुनियंग का बयान है कि हमने प्रस्ताव को तकनीकी तौर पर रोक रखा था ताकि इस मसले पर समिति के सदस्यों को सोचने का और वक्त मिल सके, लेकिन अभी भी इस मुद्दे पर सहमति नहीं बन पाई है। जाहिर है, यह तर्क केवल अपने पक्ष को सही ठहराने के लिए दिया गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा गया है कि एक आतंकवादी के लिए एक अकेला देश अंतरराष्ट्रीय सहमति बनने से रोक रहा है, ये जानकर हमें फिर निराशा हुई। हमारा मानना है कि दोहरे मापदंड आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय लड़ाई को कमजोर करेंगे। भारत के कथन से दुनिया के वे सारे देश सहमत होंगे तो आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में नियंतग्र एकजुटता के समर्थक हैं। पिछले दो वर्षो से चीन ऐसा ही कर रहा है। हर बार उसके कुछ तर्क होते हैं। उसने किस बार क्या तर्क दिए इसके कोई मायने नहीं हैं क्योंकि सारे तर्क केवल अपने कदम को सही ठहराने के लिए होता है।

अजहर को तो उसी दिन आतंकवादी मान लिया जाना चाहिए था, जब 24 दिसम्बर 1999 को इंडियन एयरलाइंस के आइसी-814 हवाई जहाज को आतंकवादियों ने अपहरण कर लिया और 178 यात्रियों की रिहाई के बदले उसे छुड़ाया। क्या चीन उस घटना से वाकिफनहीं है? अजहर के आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त होने के जितने संभव प्रमाण हो सकते थे भारत ने सुरक्षा परिषद के सामने रखे।

भारत के आवेदन में दिए गए तयों से ही शेष सदस्य देश सहमत हुए। अगर भारत द्वारा दिए गए तयों में कहीं कमी होती तो दूसरे देश इसके साथ क्यों आते? केवल चीन को वह प्रमाण पूरा नहीं लगता। यह बताने की आवश्यकता नहीं कि वह सच समझते हुए भी जानबूझकर ऐसा कर रहा है। चीन को पुख्ता और सटीक प्रमाण की आवश्यकता नहीं, उसे मसूद को बचाने के लिए कोई न कोई बहाना चाहिए। वह सहमति न होने की बात करता है। आखिर उसे कैसी सहमति चाहिए?उसके अलावा, समिति में कोई सदस्य विरोध नहीं करता, फिर कैसे माना जाए कि इस पर सदस्य देशों में आपसी मतभेद है। पिछले वर्ष के भारत के प्रस्ताव में 15 में से 14 सदस्यों का समर्थन था। केवल चीन अकेले विरोध में खड़ा था। मजे की बात कि चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता कह रहे हैं कि उनके देश का कदम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 समिति के प्रभाव और संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए है। वाह,क्या बात है। उन्होंने कहा कि हम समिति के फैसलों और इसकी प्रक्रिया का अनुसरण करते रहेंगे। वास्तव में चीनी प्रवक्ता के बयान से यह संकेत मिलता है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के दूसरे कार्यकाल में भी चीन अजहर के मुद्दे पर भारत और अमेरिका सहित दूसरे देशों के प्रयासों पर वीटो लगाता रहेगा। इसके बाद जो संकेत मिल रहा है, उसमें इस बात की संभावना बढ़ गई है कि चीन संयुक्त राष्ट्र की 1267 समिति में इस आवेदन पर ही वीटो का इस्तेमाल कर दे ताकि ये रद्द हो जाए। यह हमारे लिए निराश होने का विषय अवश्य है, पर हम कर क्या सकते हैं। जब वीटो अधिकार वाला कोई देश हर हाल में एक आतंकवादी को बचाने पर आमादा है तो फिर उसकी विजय होनी ही है। किंतु इससे यह मान लेना ठीक नहीं होगा कि भारत अजहर के मामले में विफल हो गया है।

आखिर मसूद अजहर का संगठन जैश-ए-मोहम्मद संयुक्त राष्ट्र की आतंकवादी संगठनों की सूची में शामिल है। यानी संगठन प्रतिबंधित है। भारत के पिछले दो साल के प्रयासों से दुनिया मसूद अजहर एवं जैश के बारे में पूरी तरह जान गई है। दुनिया को यह भान हो गया है कि वह एक आतंकवादी है जिसे चीन पाकिस्तान में अपने हितों को ध्यान में रखते हुए बचा रहा है। यही हमारी सफलता है। यह बात ठीक है कि अगर उसे अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित कर दिया जाता तो उस पर कई तरह के प्रतिबंध लग जाते एवं पाकिस्तान के लिए उसकी रक्षा करने का कोई आधार नहीं बचता। लेकिन प्रतिबंध नहीं भी लगा तो भारत के प्रयासों से उसकी कुख्याति इतनी हो गई है कि पाकिस्तान खुलकर उसके पक्ष में कभी नहीं आ सकता। वह विदेशों की यात्रा से भी बचेगा। यही नहीं उसके लिए खुलकर पहले की तरह फंड एकत्रित करना भी कठिन होगा। वास्तव में भारत ने अपने लगातार प्रयास से यह साबित कर दिया है कि पाकिस्तान चीन के माध्यम से मसूद अजहर जैसे खूंखार आतंकवादी को बचा रहा है। पाकिस्तान को लेकर दुनिया में जो धारणा बनी है वह किसी से छिपी नहीं है। संयुक्त राष्ट्र संघ के महाधिवेशन में यह पहली बार हुआ कि एक साथ तीन देशों बांग्लादेश, अफगानिस्तान और भारत ने आतंकवाद के मामले पर उसे घेरा और उसके प्रतिनिधियों को तीन बार जवाब देने के अधिकार के तहत बयान देने को विवश होना पड़ा। एक देश जो आतंकवादियों का घोषित शरणस्थली बना हुआ है, जहां से आतंकवाद पल्लवित पुष्पित होता है और कई बार संरक्षण भी पाता है, उसकी रक्षा चीन आखिर अपने आर्थिक एवं तथाकथित सामरिक हितों की खातिर कहां-कहां और कितना कर पाएगा।

चलते चलते

नदियां

चीज की कल्पना ही नहीं की जा सकती है। हमारे ऋषि-मुनियों ने नदियों को पोषक माना है। यही वजह है कि नदी को मां का दर्जा हासिल है। लेकिन क्या मां पर उसकी संतान महज रस्मअदायगी के लिए प्यार लुटाती है या उसका दिखावा करती है? कार्तिक पूर्णिमा पर नदियों के किनारे दीप प्रज्ज्वलन

नदियों का हमारे जीवन में बेहद महत्त्वपूर्ण स्थान है। गंगा और अन्य पवित्र नदियों के किनारे ही हमारी सभ्यता और संस्कृति फली-फूली हैं। इनके बिना किसी चीज की कल्पना ही नहीं की जा सकती है। हमारे ऋषि-मुनियों ने नदियों को पोषक माना है। यही वजह है कि नदी को मां का दर्जा हासिल है। लेकिन क्या मां पर उसकी संतान महज रस्मअदायगी के लिए प्यार लुटाती है या उसका दिखावा करती है? कार्तिक पूर्णिमा पर नदियों के किनारे दीप प्रज्ज्वलन या डुबकी लगाना ऐसी कवायद है, जिस पर आज की पीढ़ी को सोचना-विचारना होगा। यह सवाल इसलिए कि जब पर्व-त्योहार का वक्त आता है तो हम नदियों पर इस कदर प्यार लुटाते हैं जिसका जवाब नहीं है। मगर साल के बाकी बचे दिनों में नदियां अपनी बेदर्दी पर आंसू बहाती हैं। हम भले नदियों के किनारे रहते हैं किंतु हम अभी भी नदियों के करीब नहीं हो सके हैं। और जब तक हम पवित्र और ईमानदार तौर-तरीकों से मां समान नदियों के साथ नजदीकियां नहीं बढ़ाएंगे, तब तक न सिर्फ हमारी नदियां कलपती रहेंगी वरन आने वाली पीढ़ी भी हमें माफ नहीं करेगी। हमारा देश उत्सवप्रिय है। लेकिन हम अब अपनी जिम्मेदारियों और सुख-दुख के भाव से पीछा छुड़ाने वाली सोच के पिछलग्गू हो गए हैं। कार्तिक पूर्णिमा या ऐसे ही किसी अन्य पवित्र आयोजनों पर जनता का प्यार, उनकी निष्ठा, उनकी आस्था, उनकी जिजीविषा तो चरम पर होती है मगर उसके अगले ही दिन सारी अच्छी भावनाएं विलीन हो जाती हैं। ऐसे में नदियों का पुनरुज्जीवन या उसके स्वच्छ रहने की परिकल्पना कैसे मूर्त रूप ले सकेगी? नदियों से रिश्ता कैसे सुधरा जाए, इस पर मंथन की जरूरत है।

नदियों को परिष्कृत करने के दावे कैसे तिनकों के माफिक उड़ गए, यह जगजाहिर है। सिर्फ एक दिन के प्यार उड़ेलने से नदियों के प्रति हमारी आस्था भले किसी तरह सिसकती हुई बढ़ती रहे। परंतु इससे बेहतरी और स्वर्णिम दिनों की आस रखना खुद को धोखा देना ही है। पूर्व की हमारी गलतियों का ही नतीजा है कि न केवल नदियां सूख रही हैं बल्कि गंदे नालों में तब्दील होती जा रही हैं। मगर इसकी वजह हम ही हैं। जब तक हम अपनी दकियानूसी सोच को नहीं दफना देते, तब तक नदियों की बेहतरी के बारे में सोचना भी अपराध है।

मुद्दा

''अतिथि देवो भवः'

भारत की समृद्ध पर्यटन संपदा के बारे में मशहूर अमेरिकी लेखक मार्क ट्वेन ने कहा है-''भारत वह भूमि है, जिसे दुनिया के तमाम लोग देखने की हसरत रखते हैं और जिन्होंने उसकी एक झलक भी देखी है, वे उस एक झलक के बदले दुनिया के तमाम नजारों को ठुकरा सकते हैं।' मार्क ट्वेन का यह कथन भारत की सांस्कृतिक विविधता का बयान करने वाला है। शायद इसी हकीकत से रूबरू होने के लिए स्विस नागरिक क्रैंटीन जेरेमी क्लॉर्क और उनकी महिला मित्र मैरी ड्रोज बीती 30 सितम्बर को भारत आए थे। लेकिन भारत में तीन हफ्ते गुजारने के बाद 22 अक्टूबर को आगरा के मशहूर ऐतिहासिक स्थल फतेहपुर सीकरी में उनका सामना एक ऐसी शर्मनाक हकीकत से हो गया, जिसका दुनिया के मंच पर हमारे पास देने के लिए कोई जवाब नहीं हो सकता। आगरा रेलवे स्टेशन से कुछ लफंगे इस स्विस जोड़े का पीछा करते हुए फतेहपुर सीकरी तक पहुंच गए और वे मैरी ड्रोज के साथ सेल्फी लेने की जिद करने लगे। नतीजा उन लफंगों ने दोनों सैलानियों को बुरी तरह घायल कर दिया। क्लॉर्क ने कहा है कि उन्हें ज्यादा तकलीफ इस बात से हुई कि बीच-बचाव करने के बजाय वहां मौजूद लोग घटना की तस्वीर उतारने और वीडियो बनाने में मशगूल थे। बहरहाल, दोनों सैलानियों को दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताते हैं कि क्लॉर्क को कान पर चोट की वजह से अभी भी सुनने में परेशानी हो रही है। विडंबना है कि यह सब तब हुआ जब भारत सरकार पूरे देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन पर्व का आयोजन कर रही थी। घटना का चिंताजनक पहलू यह है कि स्थानीय पुलिस ने राज्य के पुलिस मुख्यालय को भी इस घटना के बारे में अंधेरे में रखा और समय से सूचना तक नहीं दी। स्थानीय पुलिस की पहली जिम्मेदारी है इससे पुलिस मुख्यालय को अवगत कराए। इस घटना की जानकारी भी तब आम हुई, जब अगले दिन पर्यटन पर्व का समापन समारोह मनाया जा रहा था। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने इस मामले का संज्ञान लिया है और प्रदेश सरकार से इस बारे में रिपोर्ट तलब की है। आए दिन ऐसी वारदातें मीडिया की सुर्खियां बनती हैं-कभी अजमेर-पुष्कर से तो कभी गया से, कभी बनारस से तो कभी इलाहाबाद, हरिद्वार, मथुरा-वृंदावन, खजुराहो, गोवा आदि स्थानों से इस तरह की खबरें आती रहती हैं। पिछले साल फरवरी में नीदरलैंड की एक युवती के साथ मध्यप्रदेश में दुष्कर्म किया गया, जिसमें होमगार्ड के दो जवानों को गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह, जनवरी 2015 में बिहार के गया जिले में एक जापानी युवती से बलात्कार किया गया था। अभी इसी साल अप्रैल में राजस्थान के अजमेर घूमने आए एक स्पेनिश जोड़े पर कुछ बदमाशों ने हमला कर उसे घायल कर दिया और महिला के साथ बलात्कार की कोशिश भी की। एक अन्य वारदात में अपने माता-पिता के साथ देहरादून घूमने आई बारह साल की इस्राइली लड़की के साथ एक फोटोग्राफर ने बदसलूकी की कोशिश की। और तो और देश की राजधानी दिल्ली भी ऐसी घटनाओं से अछूती नहीं रहती है। जून में दिल्ली में उज्बेकिस्तान की छब्बीस साल की युवती के साथ बलात्कार की घटना अभी तक चर्चा में है। विदेशी सैलानियों के साथ दुर्व्यवहार, बलात्कार, मारपीट, लूटपाट की एक घटना पुरानी नहीं पड़ती कि नई वारदात फिर हो जाती है। सवाल है कि आखिर यह शर्मनाक सिलसिला कब तक चलता रहेगा और हमारी सरकारें ''अतिथि देवो भवः' और ''अतुल्य भारत' का मंत्रोच्चार करते हुए कब तक विदेशी सैलानियों को उनकी किस्मत के भरोसे छोड़ती रहेगी? विदेशी पर्यटकों के मन में भारत को लेकर बढ़ रहे असुरक्षा भाव का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे अब भारत आते ही अपनी सुरक्षा के लिए मिर्च पाउडर रखने से लेकर बॉडीगार्ड रखने तक खुद ही तमाम तरह के इंतजाम करने लगे हैं। यह स्थिति हमारी पुलिस व्यवस्था पर एक कठोर टिप्पणी तो है ही, हमारे पर्यटन उद्योग के लिए भी बेहद नुकसानदेह है।

संवैधानिक आधार पर नजर

आभा स्वामी

आधार कार्ड योजना से बैंक खातों, मोबाइल कनेक्शन और लोक-कल्याण योजनाओं के लाभों को जोड़ने की केंद्र सरकार की कोशिश संवैधानिक है या नहीं, ये सवाल अभी सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। इस बीच पश्चिम बंगाल सरकार भी इस योजना के खिलाफयाचिका लेकर अदालत पहुंच गई। इससे अजीब स्थिति पैदा हुई। इसी सिलसिले में सर्वोच्च न्यायालय ने ये महत्त्वपूर्ण प्रश्न उठाया कि संसद से पारित किसी कानून को कोई राज्य सरकार कैसे चुनौती दे सकती है? स्पष्टत: पश्चिम बंगाल सरकार ने संघीय ढांचे की मर्यादाओं का ख्याल नहीं किया। इसलिए अदालत को स्पष्ट करना पड़ा कि केंद्र की किसी को पहल चुनौती सिर्फ कोई नागरिक ही दे सकता है।

इसी बात को आगे बढ़ाते हुए जजों ने कहा- 'ममता बनर्जी व्यक्तिगत रूप से याचिका दें, तो हम उस पर सुनवाई करेंगे। जहां तक 'आधार योजना पर उठे संवैधानिक सवालों की बात है, तो वो पहले ही कई याचिकाओं के जरिए सुप्रीम कोर्ट के सामने पहुंच चुके हैं। इनका शीघ्र समाधान हो, यह न सिर्फ याचिकाकर्ता, बल्कि सरकार भी चाहती है। एटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सरकार अपना पक्ष रखने को तैयार है। अगर न्यायालय को आवश्यक लगे, तो वह संविधान पीठ बना सकता है। संतोष की बात है कि कोर्ट ने तुरंत इस सुझाव पर कदम उठाया। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस दीपक मिश्रा ने आधार योजना से जुड़ी तमाम याचिकाओं पर सुनवाई के लिए पांच सदस्यीय संविधान पीठ बनाने की घोषणा की। ये बेंच नवंबर के आखिरी हफ्ते से सुनवाई शुरू कर देगी। अब अपेक्षित है कि सार्वजनिक चर्चाओं में आधार योजना से संबंधित चर्चाओं और अफवाहों पर तुरंत विराम लगे।

एटॉर्नी जनरल ने जिक्र किया कि इस संबंध में कई झूठी बातें फैलाई गई हैं। मसलन, यह निराधार भय फैलाया गया है कि सीबीएसई परीक्षाओं में भाग लेने के लिए छात्रों के पास आधार कार्ड होना जरूरी है। ऐसी बातों से अच्छे उद्देश्य से लागू की जा रही इस महत्वपूर्ण योजना को लेकर लोगों में बेवजह अंदेशे पैदा होते हैं। जबकि आवश्यकता लोगों में यह भरोसा पैदा करने की है कि आधार कार्ड उनके और देश के भले के लिए है। इसके जरिए किसी से कोई जोर-जबर्दस्ती नहीं की जा रही है। अब सबके लिए उचित यह होगा कि वे संविधान पीठ के निर्णय का इंतजार करें। सरकार विभिन्न सेवाओं को आधार कार्ड से जोड़ने की प्रक्रिया आगे बढ़ा सकती है, लेकिन कोर्ट का फैसला आने तक इसे किसी क्षेत्र में अनिवार्य नहीं किया जाना चाहिए। कुछ याचिकाओं में दलील दी गई है कि आधार योजना नागरिकों की निजता में दखल है। पिछले अगस्त में सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने निजता को नागरिकों का मौलिक अधिकार घोषित किया था। उसके बाद कुछ हलकों से दलील दी गई कि अब आधार योजना की वैधानिक स्थिति कमजोर हो गई है। इन सारी बातों से ऊहापोह बढ़ा है। उम्मीद है कि यह भ्रम जल्द ही छंट जाएगा और आधार कार्ड के संवैधानिक एवं वैधानिक आधार पर स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

सत्संग

श्रेष्ठ में लगाएं अपनी सारी क्षमता

समाज में दिनों-दिन बढ़ता व्यभिचार चिंतनीय और सोचनीय है। व्यभिचार मनुष्य के भ्रष्ट होने की पराकाष्ठा है और यह मनुष्य के पतन की निशानी भी है। व्यभिचार का मुख्य कारण भौतिकवाद है। आज जिस तरह पैसे की हनक मनुष्य के सिर पर सवार हो गई है, उससे मनुष्य यह मान बैठा है कि पैसे के दम पर जायज-नाजायज सब कुछ संभव है। वह अपने पैसे से किसी को भी खरीद या उसका शोषण कर सकता है। यह मनुष्य की सबसे बड़ी भूल है कि जो पैसा उसके जीवन जीने का एक साधन मात्र था, उसे उनसे अपने जीवन में सबसे महत्त्वपूर्ण बना दिया है। जिसका परिणाम यह है कि मनुष्य पैसे का उपभोग कम और पैसा उसका उपयोग ज्यादा कर रहा है। आज समाज में आधुनिकता और आजादी के नाम पर मर्यादा का घोर हनन हो रहा है और चारों ओर व्यभिचार का बोलबाला है। आश्चर्यजनक बात यह कि सभ्य कहे जाने वाले समाज में व्यभिचार को प्रश्रय और बढ़ावा मिल रहा है, जबकि पवित्रता और मर्यादा की बात करने वालों को शंका की नजरों से देखा जा रहा है। किसी भी समाज के विकास एवं सुख-शांति का आधार उसकी सभ्यता-संस्कृति होती है, लेकिन जब लोग ही अपने समाज के आधार स्तम्भों को ढहाने लगें, तब समाज का अस्तित्व बनाए रखना किसी चुनौती से कम नहीं होता। जिस तरह भारतीय समाज ने भी अपनी संस्कृति-सभ्यता को त्यागकर पश्चिम की भोगवादी संस्कृति को अंगीकृत किया, उसी का परिणाम है कि हमारे समाज में व्यभिचार और भ्रष्टाचार जैसे तमाम दुष्कर्म बढ़ गए हैं। हमारा समाज समानता, सद्भाव, शांति, एकता इत्यादि का प्रतीक है, जबकि भोगवाद का मतलब दमन और निरंकुशता है। किसी भी समाज में सुख-शांति बनी रहे, इसके लिए नैतिक और चारित्रिक माहौल का होना आवश्यक है। केवल कड़े कानून बना देने से बात नहीं बनती। कानून का भय हमें सभ्य नहीं बना सकता, बल्कि सच यह है कि कानून के डर से मनुष्य अपराध करने से पहले सतर्क हो जाता है। अपने चरित्र का निर्माण करके और नैतिकता को अपनाकर ही कोई मनुष्य सभ्य-संस्कारी बन सकता है। ऐसे में, यह जरूरी हो गया है कि आधुनिक विज्ञान की शिक्षा के साथ बच्चों में संस्कार और उनके चरित्र का निर्माण किया जाए, ताकि अपराध, व्यभिचार, भ्रष्टाचार इत्यादि पर अंकुश लग सके। व्यभिचार का मूल कारण मनुष्य का नजरिया है।

4 मुसलमानों को टिकट देकर बीजेपी ने चला बड़ा दांव, दो महिलाएं भी शामिल

लखनऊ. लोकसभा और विधानसभा चुनाव में एक भी मुस्लिम को टिकट नहीं देने वालवी बीजेपी ने यूपी निकाय चुनाव में मुस्लिम प्रत्याशी उतार कर नया दांव चला है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में इस बार बीजेपी ने 4 वार्डों में मुस्लिम प्रत्याशी मैदान में उतरे हैं। सूत्रों की माने तो भाजपा निकाय चुनाव के जरिये मुस्लिम विरोधी छवि को भी दूर करना चाहती है। वहीं, जानकारों की माने तो बीजेपी निकाय चुनाव की आड़ में आगामी लोकसभा चुनाव की भी नीव रख दी है। 4 वार्डों से मुस्लिम उम्मीदवार

लखनऊ में नगर निकाय चुनाव के लिए बीजेपी ने अपनी लिस्ट जारी कर दी है। सबसे खास बात यह रही बीजेपी ने लिस्ट जारी करते समय दो महिला मुस्लिम प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है। पहली बार बीजेपी ने किसी मुस्लिम महिला प्रत्याशी को नगर निकाय चुनाव में अपना सिंबल दिया है।जिसके बाद महिलाओं में खासतौर से मुस्लिम महिलाओं में एक खुशी की लहर दौड़ गई है। पुराने लखनऊ में रहने वाली रिजवान बानो को जब टिकट मिला तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा, हालांकि उनके पति पिछले

25 वर्षों से बीजेपी में जुड़े हुए हैं।

–बीजेपी ने इस बार विश्वास जताते हुए नगर निकाय चुनाव में अपने सिंबल पर लड़ने के लिए रिजवाना बानो को चुना है। मध्यमवगीय परिवार की रिजवाना बानो को जब टिकट मिला तो उन्होंने लड्डू बांटकर आपस में खुशी मनाई।

–पुरुष प्रत्यशियों में हुसैनाबाद वार्ड (89) से मोहम्मद फैसल नबाब तो मौलाना कल्वे आबिद वार्ड (101) से मोहम्मद जावेद अब्बास को भाजपा ने टिकट दिया है।

2 बार निर्दलीय विजेता को बीजेपी से टिकट

नाजुक जहा 2 बार से पार्षद रही हैं और अपने क्षेत्र में विकास करती आ रही हैं। इस बार विश्वास जताते हुए अपने सिंबल पर टिकट दिया है। जिसके बाद नाजुक जहां के घर में और मोहल्ले में खुशी की लहर दौड़ गई है।

–नाजुक जहां ने कहा– ''बीजेपी कभी भी मुस्लिम विरोधी पार्टी नहीं रही है। लोगों का नजरिया पार्टी के प्रति गलत रहा है। बीजेपी ने ट्रिपल तलाक से लेकर महिलाओं के उत्थान के लिए काफ़ी कार्य किए हैं।''

ये बोली मुस्लिम प्रत्याशी

नाजुक जहां ने कहा– ''बीजेपी ने टिकट दिया हम शुक्रिया करते हैं। बीजेपी महिला विरोधी पार्टी नहीं है।

ये है गेम प्लान

तीन तलाक के बाद फिर निकाय चुनाव में मुस्लिम प्रत्याशी उतर कर भाजपा मुस्लिमों में अपनी पैठ बनाना चाहती है। मुस्लिम प्रत्याशी उतारने के पीछे पूरे देश में एक संदेश देने की भी कोशिश की गई है। पुराने लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के समय से ही शिया मुस्लिम भाजपा के साथ रहा है।

भतीजे ने की गलती, पुलिस ने चाची को मारी पेट पर लात, हो गया अबॉर्शन

संभल. पुलिस की पिटाई से 3 महीने की प्रेग्नेंट महिला का अबॉर्शन होने का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि दारोगा ने उसे लात–घूसों से इतना मारा–पीटा की गर्भ में ही उसके बच्चे की मौत हो गई। जब पति के साथ शिकायत लेकर थाने पहुंची तो पुलिस ने उसे भगा दिया। रविवार को मीडिया में बात सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। महिला को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीओ ने कहा, मामले की जांच की जा रही है। जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मामला संभल के नखासा थानाक्षेत्र के गांव शाहपुर मिलक का है। पीड़ित महिला का आरोप हे कि शनिवार की रात सिरसी चौकी इंचार्ज (दारोगा) कांत कुमार शर्मा उसके घर पहुंचे। अचानक उसके साथ मारपीट करने लगे। लात–घूंसों से इतना मारा–पीटा की वो बुरी तरह घायल हो गई और उसका अबॉर्शन हो गया। पेट में ही 3 महीने के बच्चे की मौत हो गई। आरोप है कि पीड़ित महिला अगले दिन यानी रविवार को अपने पति के साथ थाने पहुंचकर आपबीती सुनाई। लेकिन मामला पुलिस महकमें से जुड़ा होने से भगा दिया गया।

इसके बाद वो अपने मृत बच्चे के शव को लेकर जिला अस्पताल पहुंची और मीडिया के सामने अपना दर्द बयां किया। मामला मीडिया में आते ही पुलिस प्रशासन के हाथ–पांव फूल गए। फिलहाल पीड़िता का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

–महिला के पति गुड्डू ने कहा, पुलिस की पिटाई से पत्नी का अबॉर्शन हो गया। वह 3 महीने की प्रेग्नेंट थी।

आरोपी दारोगा ने कहा

आरोपी दारोगा कांत कुमार शर्मा ने कहा, ''पीड़ित महिला के भतीजे पर गांव की एक लड़की को भगाने का आरोप है। इस संबंध में पुलिस उसके दरवाजे पर उसकी तलाश में गई।

टीम राहुल के मेंबर जितिन प्रसाद की भाभी को बीजेपी से टिकट, बगावत का डर

शाहजहांपुर.निकाय चुनाव के लिए भाजपा ने शाहजहांपुर नगरपालिका सीट से राहुल गांधी के करीबी रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद की भाभी को टिकट दिया है। हालांकि टिकट को लेकर जब से जितिन प्रसाद की भाभी का नाम सामने आया था तभी से टिकट के दावेदारों ने पार्टी हाईकमान के सामने विरोध शुरू कर दिया था।

राहुल गांधी के करीबी हैं जतिन प्रसाद

राहुल गांधी के करीबी नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद के चचेरे भाई कुंवर जयेश प्रसाद और उनकी पत्नी नीलिमा ने दो दिन पहले ही बीजेपी का दामन थामा है। इस दौरान बीजेपी के पुराने कार्यकर्ता व प्रदेश स्तर पर पहचान रखने वाले जेपीएस राठौर के भाई डीपीएस राठौर ने अपनी पत्नी सोनिया राठौर की टिकट की दावेदारी की थी।

जेपीएस राठौर और डीपीएस राठौर नगर विकास मंत्री सुरेश कुमार खन्ना के बेहद करीबी माने जाते हैं, लेकिन दो दिन पहले जितिन प्रसाद के भाई जयेश प्रसाद व उनकी पत्नी ने जब बीजेपी का दामन थामा तो साफ हो गया था कि कहीं न कहीं टिकट भी इन्हीं को मिलेगा।

बगावत का डर

जब बीजेपी ने लिस्ट जारी कि जिसमें जितिन प्रसाद के चचेरे भाई जयेश प्रसाद की पत्नी नीलिमा प्रसाद का नाम था। माना जा रहा की पार्टी के इस फैसले से बगावत हो सकती है।

नगर पालिका सीट पर सपा का है कब्जा

शाहजहांपुर की नगर पालिका चेयरमैन पिछले तीन बार से सपा से तनवीर खान हैं। तनवीर खान अखिलेश यादव के बेहद करीबी माने जाते हैं। ऐसे में भाजपा ने बाहरी व्यक्ति पर भरोसा जताते हुए नीलामा प्रसाद को टिकट दे दिया।

दो बार एमएलसी रहे हैं जयेश प्रसाद

पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के भाई जयेश प्रसाद और उनकी पत्नी नीलिमा प्रसाद 2 नवंबर को हजारों समर्थकों के साथ बीजेपी में शामिल हो गए थे। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ महेन्द्र नाथ पांडेय की मौजूदगी में उन्होंने बीजेपी की सदस्यता ली थी।

सुमति एनकाउंटर केस: सपा नेता ने इंस्पेक्टर को दी धमकी, कहा– दो टुकड़े कर देंगे

मेरठ. सपा नेता और अखिलेश यादव के करीबी अतुल प्रधान ने रविवार को मकदुमपुर में आयोजित जनसभा में विवादित बयान दिया। उन्होंने सुमित एनकाउंटर करने वाले इंस्पेक्टर को खुली धमकी देते हुए कहा, ''आप सिविल में आकर यहां दिखा दो बीच से दो टुकड़े कर देंगे।'' आगे पढ़िए और क्या बोले अतुल प्रधान...

–जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''इस सभा को करने के लिए पुलिस प्रशासन ने परमीशन नहीं दी, इसके बावजूद हमने किया। पुलिस मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकती है।''

–इंस्पेक्टर पर दिए विवाद बयान पर मीडिया से सफाई देते हुए कहा, ''बीजेपी के विधायक हत्यारे पुलिस इंस्पेक्टर के घर क्यों गए, जबकि नजदीक स्थित सुमित गुर्जर के घर नहीं गए। आरोपी इंस्पेक्टर की जांच चल रही है, लेकिन प्रशासन उसे बचाने का काम कर रहा है।''

–''हम कमीश्नरी का घेराव कर सुमित की मौत के लिए जिम्मेदार पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग करेंगे और उसे इंसाफ दिलाएंगे।''

ये था पूरा मामला

–बीते 3 अक्टूबर को सुमति गुर्जर पुलिस एनकाउंटर में मारा गया था। परिजनों ने इस एनकाउंटर को फर्जी बताते हुए पुलिस को हत्यारा बताया है।

–वहीं, नोएडा पुलिस का दावा है कि कैश वैन लूटने के बाद ड्राइवर की हत्या के बाद दो बदमाशों के साथ सुमित गुर्जर भाग रहा था, तभी उसे मुठभेड़ में मार दिया गया। जबकि परिजनों का कहना है कि नोएडा पुलिस सुमित को पूछताछ के लिए उठाकर ले गई थी, फिर सुमित ने कैसे लूट कर ली।

बाबरिया गिरोह के 4 डकैत अरेस्ट, नकदी सहित भारी मात्रा में पिस्टल बरामद

एटा. पुलिस ने सोमवार को जिले में 12 लूट और डकैती की घटनाओं का खुलासा किया है। बाबारिया गिरिह के 4 सदस्यों को गिरिफ्तार किया है। इनके पास से लूट, डकैती का 1,27,240 रुपए, 20 लाख कीमत की ज्वैलरी, एक लाइसेंसी पिस्टल, डबल बैरल बंदूक, एक सिंगल बैरल बंदूक, तीन तमंचे, 20 कारतूस, चार मोबाइल, दो मोटर साइकल बरामद किया गया है।

भाजपा ने घोषित किए अपने पांच मेयर प्रत्याशी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को देर शाम मेयर पद के अपने पांच प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी। इसमें गोरखपुर, अयोध्या, कानपुर, मेरठ और आगरा नगर निगम शामिल है। इन्हीं जिलों में नगर निगम का चुनाव प्रथम चरण में होना है। देर शाम यह सूची मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मंथन के बाद जारी की गई। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र नाथ पांडेय के हस्ताक्षर से जारी इस सूची में गोरखपुर से सीताराम जायसवाल, अयोध्या से ऋषिकेश उपाध्याय, कानपुर से प्रमिला पांडेय, मेरठ से कान्ता कर्दम व आगरा से नवीन जैन को प्रत्याशी घोषित किया गया है। पार्टी के मेयर पद के प्रत्याशियों की इस पहली सूची का भाजपा कार्यकर्ता बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। शुक्रवार से ही भाजपा के प्रदेश कार्यालय पर दावेदारों और उनके समर्थकों की भीड़ लगी हुई थी। शनिवार को दोपहर बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मारीशस यात्रा से वापस आते ही प्रत्याशियों के चयन की कवायद में तेजी आ गई। छह नवंबर नामांकन की अंतिम तारीख होने के कारण भी पार्टी पर सूची जारी करने का दबाव था। सूत्रों के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र नाथ पांडेय व प्रदेश महामंत्री (संगठन) सुनील बंसल शाम को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग पर मिले और प्रत्याशियों के चयन पर चर्चा की। मुख्यमंत्री के साथ पार्टी के दोनों पदाधिकारियों की लंबी बैठक के बाद प्रथम चरण में पांच नगर निगमों में होने वाले चुनाव में मेयर पद के प्रत्याशियों का नाम तय कर लिया गया। बैठक में लखनऊ के मेयर पद के प्रत्याशी के नाम पर भी चर्चा हुई लेकिन फैसला नहीं हो सका। अन्य शहरों के मेयर पद के प्रत्याशियों के नाम पर भी सहमति बन गई है लेकिन उसकी घोषणा बाद में की जाएगी।

कांग्रेस ने निकाय चुनाव के लिए प्रत्याशियों के नामों की दूसरी सूची शनिवार को जारी कर दी। पार्टी ने झांसी, अलीगढ़ समेत नौ नगर निगमों के लिए महापौर पद के प्रत्याशी घोषित कर दिए। हालांकि लखनऊ और गोरखपुर के लिए अभी तक महापौर पद के लिए प्रत्याशियों के नामों का खुलासा पार्टी नहीं कर सकी है।

पार्टी ने झांसी से पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन 'आदित्य', गाजियाबाद से डाली शर्मा, मथुरा–वृन्दावन से मोहन सिंह, सहारनपुर से शशि वालिया, मुरादाबाद से रिजवान कुरैशी, बरेली से अजय शुक्ला, वाराणसी से सालिनी यादव, अलीगढ़ से मधुकर शर्मा और फिरोजाबाद से शहजहां परवीन को महापौर पद का प्रत्याशी बनाया है।

बिहार

निजी क्षेत्र में आरक्षण सही, राष्ट्रीय स्तर पर हो बहस: नीतीश

पटना. सरकारी विभागों में आउटसोर्सिंग वाली नौकरियों में आरक्षण लागू करने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने निजी क्षेत्रों में आरक्षण की वकालत की है। सोमवार को लोक संवाद कार्यक्रम के बाद संवाददाता सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कहा कि वैसे तो संविधान में निजी क्षेत्र में आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है लेकिन मेरी अपनी राय है कि निजी क्षेत्र में आरक्षण होना चाहिए। इस मुद्दे पर राष्ट्रीय स्तर पर बहस होनी चाहिए। जिसको समझ में नहीं आता वह कुछ भी बोलते है...

मुख्यमंत्री ने कहा कि आउटसोर्सिंग वाली नौकरियों के बहाने वंचित तबके को आरक्षण का लाभ लेने से रोका नहीं जा सकता है। हमारी सरकार का फैसला जायज है, जिनको यह बात समझ में नहीं आती है वे कुछ भी कह सकते हैं। आउटसोर्सिंग के जरिए नौकरी पाने वालों को मानदेय–वेतन का भुगतान बिहार सरकार अपने खजाने से करती है। तब आरक्षण क्यों नहीं लागू किया जाना चाहिए?

आउटसोर्सिंग की नौकरियों में आरक्षण बिल्कुल सही है। बिहार में इसका पालन नहीं करने वालों पर कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी। जिन्हें आरक्षण के विषय में बुनियादी जानकारी नहीं है, वही लोग इसका विरोध कर रहे हैं।

गुजरात में पाटीदार को आरक्षण के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हम पहले ही इसके लिए समर्थन दे चुके हैं। इस पर हमारे रूख में कोई परिवर्तन नहीं आया है। वैसे इस मामले को कृषि क्षेत्र के संकट के रूप में देखा जाना चाहिए। आखिर कौन सी ऐसी स्थिति है जो आरक्षण का विरोध करने वाली तबका अब अपने लिए आरक्षण की मांग कर रहा है।

मॉल में आग लगने से लाखों का नुकसान, बुझाने में लगे आठ घंटे

वैशाली.बिहार के वैशाली जिले के हाजीपुर में एक मॉल में रविवार की रात अचानक आग लग गई। जिससे अफरातफरी मच गई। आग के कारण मॉल को भारी नुकसान हुआ है। आग बुझाने के लिए सात गाड़ियों को लगाया गया। फायर बिग्रेड की टीम ने सोमवार की सुबह आग पर काबू पाया। आग बुझाने में लगा आठ घंटा...

घटना के बारे में बताया जा रहा है कि हाजीपुर के नगर थाना क्षेत्र के बंगला रोड़ स्थिति एक मॉल में आग लग गई। देखते ही देखते आग भयानक रूप ले लिया। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने फायर बिग्रेड को सूचना दी तो कई जगहों से दमकल की सात गाड़ियां पहुंची।

नाबालिग बच्ची की गला दबाकर हत्या, चेहरे पर डाला तेजाब, बस में फेंकी लाश

पूर्णिया.सहायक केहाट थाना क्षेत्र अंतर्गत पूर्णिया बस स्टैंड में रविवार की सुबह एक पंद्रह वर्षीय लड़की का शव मिला है। शव देखने से ऐसा लग रहा है कि बस में गला दबाकर हत्या की गई है। इसके बाद चेहरे पर तेजाब डाल दिया गया। शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई और मौके पर भारी संख्या में जुट गए। लड़की माता स्थान चौक के पास की रहने वाली थी।

शनिवार की रात में खाना बनाने के बाद घर से यह कहकर निकली थी कि थोड़ी देर में आ रहे हैं, लेकिन जब वह रात को दस बजे तक नहीं लौटी तो उनके परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी, लेकिन रात भर वह नहीं मिली। स्थानीय लोगों ने केहाट सहायक थानाध्यक्ष को इसकी जानकारी दी। थानाध्यक्ष पंकज कुमार सदलबल मौके पर पहुंचे और कुछ लोगों से पूछताछ की, लेकिन घटना के बारे में जानकारी नहीं दी गई। हालांकि शव को कब्जे में लेकर केहाट सहायक थाने की पुलिस पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

दुष्कर्म की आशंका

लड़की के शव को देखने से ऐसा लगता है कि उनके साथ दुष्कर्म किया गया है। इसके बाद हत्या कर दी गई है। हालांकि लड़की के पूरे शरीर पर तेजाब डाल दिया गया और पूरे मुंह पर इतना अधिका तेजाब डाला गया था कि उनकी पहचान करनी भी मुश्किल हो रही थी।

छह माह में खड़ी थी बस, उसी में फेंकी लाश

सुबह किसी ने परिजनों को सूचना दी कि पूर्णिया बस स्टैंड में हनुमान मंदिर के दक्षिण दिशा में छह माह से खराब पड़ी एक बस के अंदर एक लड़की की लाश पड़ी है। माता चौक स्थान के लोगों को जब यह सूचना मिली तो वह भी मौके पर पहुंचे। मृतका की मां ने आकर पहचान की कि उक्त मृतका उनकी पुत्री है। उसकी मां ने बताया कि उनकी बेटी रात में खाना बनाकर घर से यह कहकर निकली थी कि थोड़ी देर में वह आ रही है, लेकिन वह वापस नहीं लौटी।

शाम होते ही लग जाता है नशेड़ियों का जमावड़ा

बस स्टैंड से बिहार के सभी जिलों के साथ–साथ अन्य राज्यों के लिए भी बसें खुलती हैं। ज्यादातर बसें रात्रि में खुलती है, लेकिन दिनभर गाड़ियों को बस स्टैंड के अंदर खड़ी की जाती है। स्टैंड के अंदर खराब पड़ी बसों को भी रखा जाता है, जो नियम के विरुद्ध है। दिन से लेकर शाम तक स्टैंड में जुए एवं गांजे की कश लगाने वालों की महफ़िल सजती है। शनिवार की रात में खाना बनाने के बाद घर से यह कहकर निकली थी कि थोड़ी देर में आ रहे हैं, लेकिन जब वह रात को दस बजे तक नहीं लौटी तो उनके परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी, लेकिन रात भर वह नहीं मिली। स्थानीय लोगों ने केहाट सहायक थानाध्यक्ष को इसकी जानकारी दी। यहां नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है। जिस बस में हत्या हुई, वह भी पिछले कई माह से खराब पड़ी थी और स्टैंड में ही लगी हुई थी। पुलिस भी बस स्टैंड के बाहर ही गश्ती करती है, कभी बस स्टैंड के अंदर नहीं जाती।

तेजस्वी ने कहा– सीएम पहले लालू से डरते थे, अब हमलोगों ने डर गए

पटना. तेजस्वी यादव ने सोमवार को कहा कि सीएम नीतीश कुमार पहले लालू प्रसाद से डरते थे। अब हमलोगों से डर गए हैं। यही कारण है कि आवाज दबाने और परेशान करने के लिए घर पर छापा पड़ रहा है, लेकिन हमलोग डरने वाले नहीं हैं। लालू हैं मर्द...

तेजस्वी ने कहा कि विरोधियों को लग रहा है कि राजद का बुरा दौर से चल रहा है। हमलोग डट कर लड़ने वाले हैं।

नीतीश कुमार पलटी मारकर भाजपा के साथ चले गए। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में सभी को 15–15 लाख रुपए देने का वादा किया था, लेकिन बाद में अमित शाह ने कह दिया कि वह तो जुमला था।

संवाद में सीएम ने कहा कि लालू को कहा कि इनको कोई समझ नहीं सकता है। सत्ता से बाहर होने के बाद बौखला गए हैं।

तेजस्वी ने कहा कि लालू मर्द हैं। लड़ते हैं तो पूरा जोर लगाकर लड़ते हैं।

लालू ने सामाजिक न्याय के लिए जो किया वह नीतीश कुमार सात जन्मों में नहीं कर सकते हैं।

लालू के लिए पूरा वंचित समाज उनका परिवार है। बिहार के लोग उनके साथ है। बिहार में कई घोटाला हो रहा है। यह सब बिहार की जनता देख रही है।

पत्नी को मनाने ससुराल पहुंचा था दामाद, चाय में जहर देकर ले ली जान

औरंगाबाद.पत्नी से अक्सर झगड़ा रहता था। जिसे मनाने के लिए युवक ससुराल गया था। जहां उसे चाय में जहर मिल गई। जिसके कारण उसकी मौत हो गई। मरने से पहले उक्त युवक ने यह बात सदर अस्पताल में डॉक्टरों से बताया है। घटना ढ़िबरा थाना क्षेत्र बेढ़ना गांव की है। मृतक 25 वर्षीय दिनेश साव मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रजोई गांव निवासी छेदी साव का पुत्र था।

पुलिस ने अचेत हालत में उसे उठाकर एक टेंपो के माध्यम से सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उसे नाजुक हालत में रेफर कर दिया गया। लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

चाय पीने के बाद दिनेश निकला था घूमने

रविवार को सुबह में चाय पीने के बाद दिनेश घर से बाहर घूमने निकला था। इस दौरान रास्ते में उसकी तबियत बिगड़ गई।

दम टूटने से पहले बताया चाय में मिला था जहर

उक्त युवक सदर अस्पताल में दम टूटने से पहले बताया कि उसे चाय में जहर मिला है। जहर एक रिश्तेदार द्वारा देने की बात बतायी जा रही है। लेकिन सदर अस्पताल के डॉक्टर या पुलिस अधिकारी फिलहाल इस संबंध में कुछ भी बताने से इनकार रहे हैं। परिजनों ने बताया कि वह शहर रहकर एक प्राइवेट काम करता था। 15 दिन पहले वह घर से निकला था। लेकिन तीन दिन पहले वह पत्नी से मिलने ढ़िबरा थाना के बेढ़ना गांव स्थित ससुराल गया था।

एएनएम नर्सों ने पुलिस पर किया पथराव, फिर हुआ लाठीचार्ज

पटना.राजधानी के गर्दनीबाग में सोमवार को कई एएनएम नर्स विधानसभा का घेराव करने जा रही थी। इस दौरान नर्सों को पुलिस ने रोका तो नर्सों ने पथराव कर दिया। जिसमें कई महिला पुलिसकर्मी घायल हो गई। जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। बताया जा रहा है कि कई मांगों को लेकर नर्सें धरना– प्रदर्शन कर रही थी। इस दौरान सभी नर्सें प्रतिबंधित क्षेत्र में जाने लगी। भीड़ को पुलिस रोकने लगी। घटना के दौरान नर्सों के परिजन भी थे जो पुलिस के खिलाफ भड़काने लगे।

बिहार के 37 संदिग्ध आतंकियों की सूची जारी, सात जेल में, सात ट्रेसलेस

भागलपुर.बिहार में सक्रिय आतंकी संगठनों के 37 सदस्यों की स्पेशल ब्रांच ने सूची जारी की है। इसमें सात आतंकी बिहार के अलग–अलग जेलों में बंद हैं, जबकि सात ट्रेसलेस हैं। ये सात आतंकी फिलहाल कहां हैं, इन दिनों इनकी क्या गतिविधि है, इस बारे में जब स्पेशल ब्रांच ने जांच की तो कुछ भी जानकारी नहीं मिली। 37 में से दो आतंकियों की मौत हो चुकी है। 11 जमानत पर जेल से छूट चुके हैं, जबकि 10 अब तक पुलिस की नजर में फरार हैं।

पटना में पीएम के दौरे से पहले हुई थी जांच

14 अक्टूबर को पटना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आना था। उनके दौरे से पहले स्पेशल ब्रांच ने राज्य में रह रहे सक्रिय आतंकियों के बारे में जांच की थी। स्पेशल ब्रांच के आईजी ने संबंधित जिले के पुलिस कप्तान को गोपनीय–पत्र भेज कर संदिग्ध आतंकियों पर नजर रखने का निर्देश दिया था, ताकि वीआईपी मूवमेंट के दौरान किसी तरह की अप्रिय घटना न हो। 37 में से ज्यादातर आतंकी पटना और दरभंगा जिले के हैं। एक संदिग्ध आतंकी भागलपुर के नाथनगर का है। इसके अलावा मधुबनी, पूर्वी चंपारण, नालंदा जिले के भी एक–एक संदिग्ध आतंकी हैं। पटना जिले का एक संदिग्ध आतंकी मो. अमीर इकबाल के बारे में जानकारी मिली है कि वह इन दिनों मध्य प्रदेश में रह रहा है। वहां उसकी क्या गतिविधि है, इस बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है।

सूरत। सोम चितामणि रेसिडेंसी पाल में विराजीत आचार्य सोम सुंदर म.सा. के चातुर्मास समाप्ती के उपरांत सोमवार को विहार करने पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। और उन्होने आचार्य श्री के जयकारे लगाए। चार महिने के दौरान आचार्य श्री ने श्रद्धालुओ को सादगी सदाचार तथा संयम के मार्ग पर चलने तथा जीवन के उद्देश्य के बारे में सारगर्भीत ज्ञान दिया। जिससे लोगो ने आत्म सात कर अपने जीवन को धन्य बनाया।

उमरा के मगदल्ला गाव में चार मकानों के टाले टूटे

सूरत। उमरा के मगदल्ला गाव स्थित पादर स्ट्रीट तथा पटेल स्ट्रीट के अलग अलग चार मकानों को अनजान चोर उचकको ने निशाना बनाकर सोने चांदी के आभूषण,मोबाइल फोन तथा नगद सहित 1 लाख 20 हजार की चोरी कर फरार हो गए ।

पुलिस सूत्रों के अनुसार उमरा के मगदल्ला गाव स्थित पादर स्ट्रीट तथा पटेल स्ट्रीट में रात्री दौरान तस्करो ने उत्पात मचाया था । तस्करो ने 29 अक्टूबर की रात से 5 नवम्बर की रात्री दौरान अलग अलग चार मकानों को निशाना बनाया था । बदमाशो ने चारों बंध मकानों के ताले तोड़कर कर धर में प्रवेश कर सोने चांदी के आभूषण,मोबाइल फोन तथा नगद सहित 1 लाख 20 हजार की चोरी कर फरार हो गए । हादसे के चलते उमरा पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की है ।

अनूठी सेवा के लिए रविभाई सोसा का परिवार सम्मानित

एक ही परिवार 6 सदस्यों ने लिया नेत्रदान तथा देह दान का संकल्प

सूरत। इंडियन रेडक्रास सोसायटी की सूरत शाखा तथा लोक दृष्टि चक्षुदान के संयुक्त प्रयास के फल स्वरूप रविवार को 8 लोगों ने नेत्रदान तथा देह दान का संकल्प लिया। जिसमें रविभाई सोसा नामक शिक्षक के परिवार के 6 सदस्यों ने एक साथ नेत्रदान तथा देहदान का संकल्प लिया। जिसके लिए लोक दृष्टि चक्षु बैंक तथा रेडक्रास की तरफ इन परिवारों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रविभाई सोसा ने अन्य 50 लोगों को देहदान तथा नेत्रदान के लिए प्रेरित करने संकल्प लिया। रविभाई सोसा का मानना है कि व्यक्ति यदि जीतेजी किसी के काम न आ सके तो मृत्यु के पश्चात तो उसके अंग किसी के काम आने चहिए। इसी भावना को लेकर रविभाई ने अपने परिवार के 6 सदस्यों के साथ देहदान तथा नेत्रदान का संकल्प पत्र भरा। मरने के बाद मनुष्य का शरीर जलाकर राखकर दिया जाता है, जिससे वह किसी के लिए उपयोगी नही रह जाता। ऐसे में यदि प्रत्येक व्यक्ति इस बात का संकल्प ले कि हमारे शरीर का कोई भी अंग किसी को नया जीवन प्रदान कर सकती है तथा किसी के जीवन में आशा की रोशनी ला सकती है तो हम इसे क्यों न करें। मनुष्य को जीते जी परोकार करने के साथ मृत्यु उपरान्त भी लोगों के लिए उपयोगी होना चाहिए।

दिवाली की लंबी छुट्टियों के बाद सोमवार को खुले स्कूल

सूरत। हर साल की भांति इस साल भी शहर के स्कूलों में दिवाली की लंबी छुट्टियों के चलते शहर के स्कूल कालेज सूने पड़ गए थे। सोमवार से स्कूल खुल जाने से सुनसान पड़े स्कूलों में काफी दिनों के बाद रौनक वापस लौटी है। धनतेरस के बाद से ही स्कूलों में दिवाली की छुट्टियां पड़ जाने से विरान पड़े स्कूलों में सोमवार को बच्चों की किलकारियां सुनाई देने लगी। स्कूलों में दिवाली के अवकाश के साथ ही अभिभावकों के छुट्टी पर चले जाने से शहर के गली मुहल्ले भी सुनसान पड़ गए थे जिनमें सोमवार से चहल पहल शुरू हो गई। दिवाली की लंबी छुट्टियों के चलते वीरान पड़े सड़को पर सोमवार से चहल-पहल शुरू हो गई। एक तरफ जहां स्कूलों में बच्चों की किलकारी सुनाई दी वही हीरा कारीगरों के वापस लौट आने से हीरा कारखानों की घंटियां भी चलती नजर आई। दिवाली की छुट्टियों पर बाहर घुमने गए लोगों के वापस आ जाने से सोमवार को कपड़ा बाजार भी गुलजार रहा।

मालिक के घर में चोरी कर ढाई महीने से फरार महिला आरोपी को एसओजी पुलिस ने पकड़ा

सूरत। शहर पुलिस कमिश्नर सतीष शर्मा के निर्देश पर शहर में अपराधिक घटनाओं को अंजाम देकर फरार आरोपियों की धरपकड़ करने के लिए पुलिस इंस्पेक्टर आर.आर. चौधरी के मार्गदर्शन में पुलिस सब इंस्पेक्टर एस.एस. देसाई के नेतृत्व में एस.ओ.जी. की टीम ने मालिक के घर में नगदी की चोरी कर ढाई महीने से फरार महिला आरोपी को धर दबोचा। प्राप्त जानकारी अनुसार सोमवार को एसओजी के एएसआई छघनभाई मनाभाई, हेड कांस्टेबल तुषार राजारामभाई, पुलिस कांस्टेबल रणजीतसिंह रमणभाई, पुलिस कांस्टेबल हर्षद नवधणभाई, पुलिस कांस्टेबल महेंद्रसिंह दिलीपसिंह ने सूरत शहर में आपराधिक घटनाओं को अंजाम देकर फरार आरोपियों की तलाश शुरू की। उसी बीच एएसआई छगनभाई मनाभाई तथा पुलिस कांस्टेबल रणजीतसिंह रमणभाई को सूचना मिली की आज से ढाई महाने पहले वेसू कैनाल रोड स्थित सन टैरेस अपार्टमेंट के फलैट न.-बी/402 में घर का कामकाज करने वाली सीमा उर्फ सामिया ईसराइल उर्फ इमरान अजमेरी सिद्दीकी रहते हैं। जिसमें प्लाट न.-60/61 तिरूपति नगर उनगाम, सूरत निवासी महिला काम करती थी। जिसने घर में रख 2,00,000 रुपये नगदी चोरी कर फरार हो गई। जिसकी शिकायत पीड़ित ने उमारा पुलिस ने की थी।

सरथाणा में युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

सूरत। सरथाणा के लसकाना गांव स्थित विपुल नगर में भोजन करते वक्त हुई कहासुनी के चलते एक युवक ने साथी मित्र पर चाकू से जानलेवा हमला कर फरार हो गया । हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया । स्मीमेर अस्पताल सूत्रों के अनुसार सरथाणा के लसकाना गांव स्थित विपुल नगर निवासी सुनील भीमसन परिडा 25 नोकरी कर परिवार का गुजारा करता है । 4 नवम्बर की दोपहर सुनिल के धर में बुल्लू प्रधान तथा बुल्लू परिडा साथ मे भोजन कर रहे थे इसी दौरान बुल्लू प्रधान ने पीड़ित के परिजनो के साथ बातचीत करते करते गाली गलौज कर रहा था । इसके चलते पीड़ित ने गाली गलौज करने से इनकार किया था । जिसे क्रोधित होकर आरोपी बुल्लू प्रधान ने पीड़ित पर चाकू से जानलेवा हमला कर फरार हो गया । हादसे में गंभीर रूप से धायल युवक को उपचार के लिए स्मीमेर अस्पताल में भर्ती करवाया गया । हादसे के चलते सरथाणा पुलिस ने हत्या की कोशिश का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शरू की है

हार्दिक और लालजी को मिला कडुवा पाटीदारों का साथ

अहमदाबाद (ईएमएस)। कडुवा पाटीदारों ने पास नेता हार्दिक पटेल और एसपीजी के लालजी पटेल के आरक्षण आंदोलन का स्वागत करते हुए उनके समर्थन का ऐलान किया है। गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही। पाटीदार, ओबीसी और दलित समेत कई आंदोलनों का सामना कर रही भाजपा की कडुवा पटेलों ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हार्दिक पटेल के कांग्रेस के साथ जाने के संकेत के बाद पाटीदारों में गुस्सा बढ़ने लगा था। राज्य के कई शहरों में हार्दिक पटेल के पुतले फूंकने और विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था। बाद में विश्व उमिया फाउंडेशन ने हार्दिक पटेल को कांग्रेस का एजेंट करार देते हुए आरोप लगाया था कि वह निजी फायदे के लिए प्राइवेट आंदोलन चला रहा है। फाउंडेशन के नेताओं का कहना था कि राज्य की भाजपा सरकार ने आरक्षण के अतिरिक्त पाटीदारों की सभी मांगें मान ली हैं। पाटीदारों को आरक्षण देने का कांग्रेस ने भी ठोस वादा नहीं किया है। हार्दिक पटेल ने विश्व उमिया फाउंडेशन के नेताओं के आरोपों को खारिज कर दिया था। साथ ही विश्व उमिया फाउंडेशन फाउंडेशन के इन नेताओं को भाजपा समर्थित करार दिया था। सौराष्ट्र के ज यादातर लेउवा पाटीदार हार्दिक पटेल का विरोध कर रहे हैं। दूसरी ओर आज कडुवा पाटीदारों ने आज पत्रकार परिषद कर पास नेता हार्दिक पटेल और एसपीजी नेता लालजी पटेल को समर्थन का ऐलान किया है। कडुवा पाटीदार समाज के भीखुभाई पटेल ने कहा कि आरक्षण को लेकर हार्दिक पटेल और लालजी पटेल के प्रयास स्वागतयोग्य है। पाटीदार समाज के लिए आरक्षण हमारे लिए चिंता का विषय है। क्योंकि राज्य के ग्रामीण इलाकों के पाटीदारों की स्थिति कमजोर है। भीखुभाई ने धार्मिक संस्थाओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि धार्मिक संस्थाएं राजनीति के लिए नहीं हैं। किसी भी संस्था के नेता को भाजपा या कांग्रेस की विचारधारा वाले मंच पर पाटीदार हित के अतिरिक्त और कोई बात नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हार्दिक पटेल और लालजी पटेल ने समाज को एकजुट किया है। कडुवा पाटीदारों के इस ऐलान से आनेवाले दिनों में भाजपा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

विधानसभा चुनाव में पहली मतदाताओं को मिलेगा नोटा का विकल्प

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा के चुनाव में राज्य के मतदाताओं का पहली दफा नोटा (नन ऑफ द अबोव) का विकल्प मिलेगा। इससे पहले वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में गुजरात में पहली नोटा का उपयोग किया गया था। जिसमें कुल 4.40 लाख मतदाताओं ने सभी उम्मीदवारों को खारिज कर नोटा का इस्तेमाल किया था। चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों में से कोई उम्मीदवार योग्य नहीं होने पर नोटा का उपयोग किया जाता है। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की सभी 26 सीटों पर जीत दर्ज की थी। जिसमें 4.40 लाख मतदाताओं ने नोटा का उपयोग किया था।

जिग्नेश मेवाणी को बिन मांगे मिली सुरक्षा, 2 जवान तैनात

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात सरकार ने दलित नेता दलित जिग्नेश मेवाणी की सुरक्षा में दो सशस्त्र जवानों को तैनात किया है। जिग्नेश मेवाणी पर हमले की आशंका के चलते उन्हें सुरक्षा प्रदान की गई है। हांलाकि जिग्नेश मेवाणी का आरोप है कि उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सरकार बिन मांगे उन्हें पुलिस प्रोटेक्शन दिया है। बहुचर्चित ऊना कांड के बाद हुए आंदोलन के कारण दलित नेता के तौर पर उभरे जिग्नेश मेवाणी की जान का खतरा होने की बात सामने आने के बाद सरकार ने उन्हें पुलिस प्रोटेक्शन दिया है। जिग्नेश मेवाणी की सुरक्षा में दो सशस्त्र पुलिस जवानों को तैनात किया गया है। पुलिस प्रोटेक्शन का खुलासा तब हुआ जब जिग्नेश मेवाणी अहमदाबाद के पालडी स्थित रंगमंडल होल में आयोजित यंग थींकर्स मीट में भाग लेने पहुंचे। तब उनके साथ दो हथियारधारी पुलिस जवान भी थे। यंग थींकर्स मीट में राष्ट्रीय दलित अधिकार मंच के संयोजक जिग्नेश मेवाणी ने कहा कि उन्हें पुलिस प्रोटेक्शन दिया गया है। जबकि उन्होंने पुलिस सुरक्षा की सरकार से मांग भी नहीं की। इसी के साथ मेवाणी ने आरोप लगाया कि उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए दो सशस्त्र पुलिस जवानों को तैनात किया गया है। बहुचर्चित ऊना कांड के बाद हुए आंदोलन के कारण दलित नेता के तौर पर उभरे जिग्नेश मेवाणी की जान का खतरा होने की बात सामने आने के बाद सरकार ने उन्हें पुलिस प्रोटेक्शन दिया है। जबकि अहमदाबाद की मेघाणीनगर पुलिस का कहना है कि जिग्नेश मेवाणी पर हमले की धमकी मिली है, जिसे ध्यान में रखते हुए उनकी सुरक्षा में दो जवानों को लगाया गया है। शनिवार से ही दो जवान जिग्नेश मेवाणी की सुरक्षा में तैनात हैं।

रुपयों की लेन देन में कार चालक पर जानलेवा हमला

अहमदाबाद (ईएमएस)। शहर के खोखरा क्षेत्र में रुपयों की लेन देन में एक कार चालक पर जानलेवा हमले की घटना से सनसनी फैल गई। गंभीर रूप से घायल चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय पुलिस ने हमलावर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के खोखरा क्षेत्र के हनुमाननगर निवासी 60 वर्षीय गुलाबीबेन त्रिलोकनाथ तिलकधारी ने खोखला पुलिस थाने में एक युवक के खिलाफ हत्या की कोशिश की शिकायत की है। शिकायत के मुताबिक बीते दिन शाम करीब चार बजे हनुमाननगर में रहनेवाले एक युवक ने आकर गुलाबीबेन को बताया कि उनके पुत्र पर किसी ने चाकू से हमला कर दिया है। यह सुनकर गुलाबीबेन कांप उठी और फौरन घटनास्थल की ओर दौड़ पड़ी। घटनास्थल पर गुलाबीबेन का पुत्र राजू लहूलुहान हालत में जमीन पर पड़ा था। आसपास के लोगों ने बताया कि किसी युवक ने राजू पर तीक्ष्ण हथियार से चार वार किया था। गंभीर हालत में राजू को तत्काल शहर के एलजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही खोखरा पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई। प्राथमिक जांच में पता चला कि खोखरा के राधाकिशननगर में रहनेवाले सिद्धेश्वर उर्फ सिद्धु देवजीभाई परमार से रुपए की लेनदेन को लेकर राजू के साथ झगड़ा हुआ था।

राहुल गांधी की उत्तरी गुजरात की चुनावी रैली 11 नवंबर से

अहमदाबाद (ईएमएस)। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी की उत्तर गुजरात यात्रा में फेरबदल किया गया है। अब वे 9 नवंबर के बजाए 11 नवंबर से उत्तर गुजरात की तीन दिवसीय चुनाव यात्रा करेंगे। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी 11 नवंबर को चिलोडा से अपनी यात्रा का प्रारंभ करेंगे। चिलोडा से दहेगाम, प्रांतिज, हिम्मतनगर, शामलाजी और रात 8 बजे अंबाजी मंदिर में दर्शन करेंगे। राहुल गांधी 12 नवंबर को दूसरे दिन की यात्रा का प्रारंभ करेंगे। अंबाजी से पालनपुर, डीसा, भीलडी, शिहोरी, थरा, राधनपुर जाएंगे। दूसरे की यात्रा के दौरान राहुल गांधी भरवाड समाज के वालीनाथ मंदिर में दर्शन करेंगे। 13 नवंबर को राहुल गांधी पाटण, हारिज जाएंगे और शंखेश्वर मंदिर में दर्शन करेंगे। 13 नवंबर को बहुचराजी में जनसभा का आयोजन किया गया है। इसी दिन मेहसाणा के जीआईडीसी होल में राहुल गांधी व्यापारी और उद्योगपतियों के साथ जीएसटी और नोटबंदी पर संवाद करेंगे। जिसके बाद महिला सम्मेलन में शिरकत करेंगे।

शराब पीने से इंकार करने पर बहनोई का साले पर हमला

अहमदाबाद (ईएमएस)। शेहर के पूर्वी क्षेत्र कृष्णनगर में शराब पीने से इंकार करने पर बहनोई ने अपने साले पर लोहे की राड से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। कृष्णनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक पूर्वी अहमदाबाद के नए नरोडा के पार्श्वनाथ टाउनशिप निवासी गौरव जगदीशभाई मीणा नामक युवक एयरपोर्ट पर बतौर लोडर सेवारत है। बीते दिन गौरव की बहन भावना ने अपने भाई और भाभी को खाने पर बुलाया था। गौरव अपनी पत्नी वैशाली के साथ बहन के घर पहुंच गया जहां भोजन के बाद बहनोई विनोद ने गौरव से कहा कि वह उसके लिए शराब लाया है। लेकिन गौरव ने शराब पीने से इंकार कर दिया। इस पर विनोद ने गौरव से शराब के रुपए मांगे। शराब पीने के मुद्दे पर साले-बहनोई के बीच नोंकझोंक शुरू हो गई, जिसमें भावना ने अपने पति विनोद का साथ दिया और भाई-भाई से भिड़ गई। किसी प्रकार गौरव पत्नी वैशाली के साथ वहां से अपने घर के लिए निकल गया। रास्ते बापा सीताराम मंदिर के निकट विनोद ने गौरव और उसकी पत्नी वैशाली को घेर लिया। गौरव कुछ बोले उससे पहले विनोद ने उस पर लोहे की राड से प्रहार कर दिया और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। हमले में घायल गौरव को लहूलुहान हालत में अस्पताल पहुंचाया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) **E-mail: krantisamay@gmail.com**